Title: Problems being faced by cotton growers in Haryana and Rajasthan.

श्री महबूब ज़ाहेदी (कट्वा) : अध्यक्ष महोद्य, आज गुजरात, राज्स्थान और हरियाणा में कपास की खेती करने वाले जो किसान हैं, वे आज मौत के कगार पर खड़े हैं। आज एक क्विंटल कपास का दाम 1700 रुपये पर आ गया है जबकि पिछले दस सालों में कपास का भाव दो हजार रुपये प्रति क्विंटल से नीचे नहीं गया था। एक एकड़ जमीन में छः क्विंटल के करीब कपास तैयार होती है जिस पर किसान का 12 हजार रुपये खर्च होता है। आज हालत यह है कि उनको अपनी कपास 10 हजार 200 रुपये में बेचनी पड़ रही है। इस कारण उनको एक एकड़ पर दो हजार रुपये के करीब घाटा होता है। आज यही हालत राज्स्थान की है। आप जानते हैं कि पूरा राज्स्थान सूखे से ग्रस्त है। राज्स्थान में किसान को कपास का कम भाव मिलने के कारण अपनी कपास खेत में ही जलानी पड़ रही है।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर आकर्ति करना चाहता हूं कि यह बहुत गंभीर स्थिति है। किसानों को खुदखुशी न करनी पड़े, इस बारे में सरकार को आगे बढ़कर कोशिश करनी चाहिए और उनको उनकी उपज का सही भाव मिलना चाहिए।

MR. SPEAKER: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by Shri Mahboob Zahedi.

Shri P.S. Gadhavi

Shri Tukaram Ganpat Rao Renge Patil